प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र।

मुख्य चिकित्सा अधिक्षक,
जनपद/संयुक्त चिकित्सालय–मिर्जापुर, एवं सोनभद्र।

पत्र संख्या : 01/एस.पी.एम.यू./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/मिर्जापुर मण्डल/18–19/11817 दिनांक : 15-02-19

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण किये जाने के सम्बंध में।

महोदय,

आप अवगत हैं कि मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई./18–19/04/10262 दिनांक 31.12.2018 के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल द्वारा माह जनवरी, 2019 में जनपद मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र में जिला चिकित्सालय एवं अन्य चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा आपके जनपद की चिकित्सा इकाइयों/जनपद चिकित्सालय पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से दिये गये सुझावों को पत्र के साथ संलग्न कर इस निर्देश के साथ प्रेषित किया जा रहा है कि उन पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी एवं महाप्रबन्धक/मण्डलीय नोडल अधिकारी, मिर्जापुर को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक : यथोक्त

भवदीय

(डा0 नीरज शुक्ला)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्या : 01/एस.पी.एम.यू./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/मिर्जापुर मण्डल/18–19/11817-8 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मिर्जापुर मण्डल।
4. समस्त महाप्रबन्धक/उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, मिर्जापुर।
6. अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, एन0एच0एम0, मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र को इस आशय से कि वे सम्बन्धित इकाईयों पर पाई गई कमियों का निस्तारण करवाने में सहयोग प्रदान करें।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, मिर्जापुर, भदोही एवं सोनभद्र।
8. जिला अरबन कोर्डीनेटर, मिर्जापुर।

(डा0 अनिल कुमार मिश्रा)
महाप्रबन्धक/मण्डलीय नोडल अधिकारी
मिर्जापुर मण्डल

पर्यवेक्षण आख्या जनपद–मिर्जापुर एवं भदोही
दिनांक 14.01.2019 से 18.01.2019 तक

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम. एण्ड.ई./18–19/04/10262 दिनांक 31.12.2018 द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु दिये गये निर्देश के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 14–18 जनवरी, 2019 के मध्य जनपद–मिर्जापुर एवं भदोही का भ्रमण किया गया।

भ्रमण टीम के सदस्य :–

1. जमाल अहमद, कार्यक्रम समनव्यक,– प्रशिक्षण एवं जन सूचना
2. देव मणि रावत, कार्यक्रम समनव्यक,– प्रशिक्षण

भ्रमण से पूर्व टीम द्वारा दूरभाष के माध्यम से जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जनपद–मिर्जापुर एवं भदोही को जनपद के समस्त ब्लाक के अर्न्तगत आने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अधीक्षकों/प्रभारी चिकित्साधिकारियों की बैठक मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में रखने का आग्रह किया गया था।

निर्धारित कार्यक्रम के अर्न्तगत जनपद मिर्जापुर में दिनांक 15.01.2019 को एवं जनपद भदोही में 17.01.2019 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अधीक्षकों/प्रभारी चिकित्साधिकारियों के साथ बैठक की गई जिसमें अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर एवं विभिन्न कार्यक्रमों से सम्बन्धित जनपद स्तर के नोडल अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य चिकित्साधिकारी, मिर्जापुर, तहसील दिवस में व्यस्त रहने के कारण एवं मुख्य चिकित्साधिकारी भदोही, मंत्री महोदया के जनपद आगमन के कारण बैठक में प्रतिभाग नहीं कर सके। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर संक्षिप्त चर्चा की गई।

1. वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनपद स्तर पर हुए कुल कार्यकारी समिति एवं शासी निकाय की बैठक।
2. जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की स्थिति।
3. विभिन्न कार्यक्रमों में लगाये गये अनुबन्धित वाहनो एवं उसकी भुगतान की स्थिति।
4. जे0एस0एस0के0 के अर्न्तगत लाभार्थियों को दिये जाने वाले भोजन के सम्बन्ध में।
5. जे0एस0वाई0 एवं अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धित कार्यक्रमों में आशाओं को प्रदान किये जाने वाले Incentive के भुगतान के सम्बन्ध में।
6. लेबर रूम एवं वार्ड के सम्बन्ध आदि के बारे में

दिनांक 15.01.2019 को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, मिर्जापुर में बैठक के उपरान्त टीम द्वारा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संगमोहाल (हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर), मिर्जापुर का भ्रमण किया गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, संगमोहाल मिर्जापुर

- नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संगमोहाल (हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर), मिर्जापुर पर चिकित्सा सेवओं हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध है।
- कुछ दवाओं को छोड़कार नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र संगमोहाल (हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर), मिर्जापुर पर पर्याप्त मात्र में दवायें उपलब्ध है।
- केन्द्र पर सारे रिकार्ड उपलब्ध हैं।
- प्रसव सेवायें भी दी जा रही है।
- स्वास्थ्य केन्द्र पर लगा L.E.D नहीं चलाया जा रहा है। टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि इसे चालू कर लाभार्थियों को स्वास्थ्य सम्बन्धी विडियो क्लिप दिखाने का प्रबन्धक किया जाए।
- Bio-Waste के निस्तारन हेतु कोई व्यवस्था नहीं की गई है। प्रसव के उपरन्त Placenta इधर उधर नालों एवं कूड़े के ढेर पर फेंक दिया जाता है।

टीम द्वारा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, मिर्जापुर को इसके निस्तारण हेतु व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया।

भ्रमण के दौरान नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संगमोहाल (हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर), मिर्जापुर पर डा0 गायत्री गुप्ता, चिकित्साधिकारी, श्री शशिभूषण राय, फार्मास्टि, श्री सुशील तिवारी, लैब टेक्निसियन, सुश्री किरण सिंह, सुश्री इन्दिरावती देवी, सुश्री अनिता सिंह एवं सुश्री अनिता देवी स्टॉफ नर्स कार्यरत थे।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संगमोहाल (हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर), मिर्जापुर के उपरान्त जिला महिला चिकित्सालय, मिर्जापुर का टीम द्वारा भ्रमण किया गया।

जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर		
भ्रमण बिन्दु	**सुधारात्मक कार्यवाही**	**कार्यवाही का स्तर**
सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं। ANC Register/Case Sheet एवं प्रसव कक्ष से सम्बन्धित अन्य किसी भी रजिस्टर पर एम.सी.टी.एस. नम्बर, लाभार्थी/आशा का मोबाईल नम्बर अंकित नहीं किया जा रहा है एवं सही तरीके से रिकार्ड मेनटेन नहीं किया जा रहा है। प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यक्ता है।	मुख्य चिकित्सा अधिक्षक, जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर को नियमानुसार लेबर रूम की व्ययस्थायें सुदृढ़ किये जाने हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिक्षक, जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर

चिकित्सालय में मरीज़ो की सुविधा हेतु निर्देशिकाएं/पहचान सूचक कई जगहों पर मिटे एवं अपठनीय पाये गये।	इन कमियों को एक सप्ताह के भीतर ठीक करने को कहा गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर
जे.एस.एस.के. के अर्न्तगत लाभार्थी को दिया जाने वाला डाईट मानक के अनुसार नहीं दिये जा रहे हैं। डाईट चार्ट भी कहीं Display नहीं किया गया है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर द्वारा आश्वासन दिया गया कि डाईट चार्ट लगवा दिया जाएगा।	
स्वास्थ्य इकाई में दिसम्बर 2018 में 800 से अधिक प्रसव हुये है प्रसव भार के दृष्टिगत इकाई स्तर पर राउन्ड द क्लाक 03 सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है।	जे0एस0वाई0 के प्रशासनिक मद से सिक्योरिटी गार्ड की व्यवस्था हेतु सुझाव दिया गया। **पूर्व में भी दूसरे टीम द्वारा यह सुझाव मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महोदय को दिया जा चुका है।**	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर
चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी परन्तु उस पर Expiry/Refilling की तिथि भी अंकित नहीं किया गया था।	इन कमियों को एक सप्ताह के भीतर ठीक करने को कहा गया।	
भ्रमण के दौरान जिला महिला चिकित्सालय–मिर्जापुर, से सम्बद्ध एम्बुलेन्स नं0–यू0पी0 63 जी0 0267 पर निम्नवत कमी पाई गई– 1. एम्बुलेन्स में ई0एम0टी0 के पास किसी भी प्रकार का कोई भी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। 2. एम्बुलेन्स का ए0सी0/लाईट/एल.सी.डी. डिस्पले खराब है। 3. दरवाज़े का हैण्डल टूटा हुआ है। 4. बैक डोर का लॉक खराब है। 5. एम्बुलेन्स में लगा नीली बत्ती खराब पाया गया। 6. एम्बुलेन्स के पाईलॉट एवं ई.एम.टी. बेगैर एपरन के पाये गये। 7. खिड़िकियों के शीशे टूटे हुए थे।		

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–चुनार
दिनांक–16.01.2019

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–चुनार, जनपद मिर्जापुर के तीन एफ.आर.यू. में से एक है। परन्तु यह चिकित्सा केन्द्र एफ.आर.यू. के रूप में कियाशील नहीं है। • इस चिकित्सा केन्द्र पर ब्लड स्टोरेज यूनिट नहीं है। • एनेस्थिसिया एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के कोई भी चिकित्सक की यहां तैनाती नहीं की गई है। **इस चिकित्सा केन्द्र पर आखरी सीज़र मार्च 2018 में की गई थी।**	टीम द्वारा सुझाव दिया गया है कि चिकित्सा अधीक्षक, सी0एच0सी0, चुनार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मिर्जापुर से इस सम्बन्ध में पत्र व्यवहार करें।	चिकित्सा अधीक्षक, सी0एच0सी0, चुनार / मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मिर्जापुर।
• चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी परन्तु उस पर Expiry/Refilling की तिथि भी अंकित नहीं किया गया था। • चिकित्सालय पर स्टॉफ की कमी पाई गई। • चिकित्सालय में साफ सफाई बेहतर पाया गया। • चिकित्सालय में चिकित्साधिकारी सहित अन्य पारामेडिकल स्टॉफ भी एपरन में पाये गये। जो सराहनीय है।	अग्निशामक को Refilling कराकर Expiry/Refilling की तिथि अंकित कराया जाना सुनिश्चित किये जाने हेतु सम्बन्धित को आदेशित करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक, सी0एच0सी0, चुनार ब्लॉक स्तर
• सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं। • लाभार्थी को दिया जाने वाला डाईट से सम्बन्धित डाईट चार्ट Display किया गया था। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यक्ता है।	लेबर रूम में को व्यवस्थित कराने के लिए चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया।	

वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां)
भ्रमण क्षेत्रः– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चुनार
दिनांक–16.01.2019

दिनांक 16.01.2019 को वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां) के अर्न्तगत युद्वस्तर पर चिन्हित किये गये बच्चों के टीकाकरण हेतु चलाये जा रहे अभ्यान के पर्यावेक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चुनार से प्लान प्राप्त कर गांव–जमुई के आंगनबाड़ी केन्द्र में चल रहे सत्र का टीम द्वारा भ्रमण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- सत्र पर बैनर लगा पाया गया। गांव के लोगों को इस अभ्यान के बारे में जानकारी थी।
- सत्र का संचालन माईक्रोप्लान के अनुरूप ही किया जा रहा था एवं ए.एन.एम. एवं आशा के पास ड्यू लिस्ट उपलब्ध था।
- ए.एन.एम. के पास एम.सी.पीत्र कार्ड उपलब्ध था।
- वैक्सिन वाईल पर ए.एन.एम. द्वारा तिथि एवं समय अंकित किया गया पाया गया।
- लाभार्थियों को फोर की मैसेजेज दिये जा रहे थे।
- सत्र पर ए.एन.एम., श्रीमति धीरा देवी मौजूद थीं। एवं सहयोग हेतु आशा– सुश्री हेमलता सिंह, मौजूद थीं।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों से इस अभ्यान में सहयोग देने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्री– सुश्री नन्दीता सिंह, सुश्री मालती दूत, सुश्री सुमन कुमारी एवं सहायिका सुश्री शीला देवी तथा सुश्री आशा देवी उपस्थित थीं।
- सत्र के दौरान ए.एन.एम. के पास लाल एवं काली थैली उपलब्ध थी।
- कुछ औषधियों की कमी पाई गई।
- टीकाकरण के उपरान्त लाभार्थियों की आई.ई.सी. की जा रही थी।
- गर्भवति महिलाओं की जांच हेतु अलग से व्यवस्था (टेबल व पर्दा की) नहीं थी। एवं हाथ धोने की व्यवस्था भी नहीं थी।
- सत्र पर ओ0पी0वी0 एवं जे0 ई0 की वैक्सिन उपलब्ध नहीं थी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–गोपीगंज, भदोही
दिनांक–17.01.2019

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• चिकित्सालय की स्थिति बहुत दयनीय एवं चिन्ता जनक पाई गयी। • चिकित्सालय के सभी कक्ष अव्यवस्थित एवं सफाई व्यवस्था असंतोषजनक थी। • चिकित्सालय के सभी कक्ष में कुछ न कुछ कबाड़ भरा पड़ा था, जिसे व्यवस्थित किया जा सकता है। • चिकित्सालय में उपचार कराने हेतु उपस्थित महिला रोगियों की संख्या अधिक थी उनके बैठने हेतु ओ0पी0डी0 प्रांगण में समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी। वो सब डाक्टर से उपचार कराने के लिये अपनी बारी आने के इन्तेजार करने के बजाय चिकित्सक को चारों ओर से घेरे हुई थीं।	चिकित्सालय में उपचार कराने हेतु उपस्थित रोगियों को ओ0पी0डी0 प्रांगण बैठने हेतु कुर्सीयों की व्यवस्था करने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, गोपीगंज।

• ओ0पी0डी0 प्रांगण में स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रचार प्रसार सामग्री उपलब्ध नहीं थी। • चिकित्सकों द्वारा रिकार्ड रजिस्टर पर Diagnosis & Investigation के कॉलम को नहीं भरा जा रहा था। • हाथ धोने के लिये तरल साबुन एवं तौलिया ओ0पी0डी0 कमरे में नहीं रखे गये थे एवं हाथ धोने वाले स्थान पर हैण्ड वॉश प्रोटोकॉल पोस्टर भी नहीं लगाया गया था। • चिकित्सालय के प्रांगण में Citizen Charter प्रदर्शित नहीं किया गया था। • सुझाव/शिकायत पेटिका नहीं लगाया गया था। • चिकित्सालय प्रांगण में अग्निशामक की व्यवस्था की गई थी परन्तु उस पर Expiry/Refilling की तिथि भी अंकित नहीं किया गया था।		
• चिकित्सालय से सम्बन्धित किसी भी प्रकार का रिकार्ड ठीक ढंग से नहीं रखा गया है।	प्रशासनिक दक्षता हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी, गोपीगंज को प्रशिक्षण कराये जाने की आवश्यकता है।	**मुख्य चिकित्साधिकारी भदोही/महाप्रबन्धक, प्रशिक्षण, एन.एच.एम. उत्तर प्रदेश।**
• सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं। • Case Sheet एवं प्रसव कक्ष से सम्बन्धित अन्य किसी भी रजिस्टर पर एम.सी.टी. एस. नम्बर, लाभार्थी का मोबाईल नम्बर अंकित नहीं किया जा रहा है एवं सही तरीके से रिकार्ड मेनटेन नहीं किया जा रहा है। • जे.एस.एस.के. के अर्न्तगत लाभार्थी को दिया जाने वाला डाईट मानक के अनुसार नहीं दिये जा रहे हैं। डाईट चार्ट भी कहीं Display नहीं किया गया है। • प्रसव कक्ष में Colour Coded, Waste bins नहीं रखा गया था। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल/सेफ्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यक्ता है।	लेबर रूम में को व्यवस्थित कराने के लिए चिकित्सा अधीक्षक को सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, गोपीगंज।

चिकित्सालय के कर्मियों के द्वारा दो पहिया वाहन चिकित्सालय के अन्दर खड़ी की जा रही थी जिसे टीम द्वारा हटवाया गया। टीम द्वारा चिन्हित गैप्स के हर बिन्दुओं पर प्रभारी चिकित्साधिकारी गोपीगंज द्वारा की गई नकारात्मक टिप्पणी से कार्य के प्रति उदासीनता की झलक साफ दिखाई पड़

रही थी। फिर भी उनके द्वारा टीम को आश्वासन दिया गया कि समस्त गैप्स को जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा।

भ्रमण के उपरान्त टीम द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी, कार्यालय में मुख्य चिकित्साधिकारी, मिर्जापुर से वार्ता की गई एवं चिन्हित किये गये समस्त गैप्स से अवगत कराया गया। उनके द्वारा टीम को आश्वासन दिया गया कि समस्त गैप्स को जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा।

देव मणि रावत
कार्यक्रम समनव्यक,

जमाल अहमद
कार्यक्रम समनव्यक,

Dr. Anil Kumar Mishra
G.M. Training / Nodal officer for Mzp Division

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर आख्या जनपद– सोनभद्र जिला संयुक्त चिकित्सालय–सोनभद्र			
महत्वपूर्ण बिन्दु	**अवलोकित स्थिति**	**सुझाव एवं निर्णय**	**कार्यवाही स्तर**
विशेषज्ञ चिकित्सक	अस्थि रोग विशेषज्ञ– 4 शल्य चिकित्सक–1 निश्चेतक–3 स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ–शून्य	अस्थि रोग विशेषज्ञों की संख्या अधिक है, जिसे कम करते हुए कम से कम एक स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति जिला संयुक्त चिकित्सालय में किया जाना आवश्यक है।	महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य / शासन
प्रथम सन्दर्भन इकाई	जनपद में 04 प्रथम सन्दर्भन इकाई चिन्हित है (जिला संयुक्त चिकित्सालय, सा0 स्वा0 के0 चोपन, म्योरपुर एवं घोरावल) चिन्हित है। 1–**जिला संयुक्त चिकित्सालय** में बाल रोग विशेषज्ञ एवं निश्चेतक कार्यरत है,और ब्लड यूनिट स्थापित है, परन्तु यूनिट स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ न होने के कारण प्रथम सन्दर्भन इकाई क्रयाशील नहीं है। 2– म्योरपुर एवं घोरावल में बाल रोग विशेषज्ञ निश्चेतक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ कार्यरत नहीं है, तथा ब्लड यूनिट भी स्थापित नहीं है। 3– चौपन में बाल रोग विशेषज्ञ कार्यरत है, परन्तु स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं निश्चेत कार्यरत नहीं है, एवं ब्लड यूनिट भी स्थापित नहीं है।	1–मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधीकारी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ (आन काल) डा0 बिन्दु सिंह, जिला चिकित्सालय में कार्यरत एल0एम0ओ0 डा0 रिचा पटेल एवं डा0 गीता जायसवाल, स्टाफ नर्स, डी0पी0एम0 एवं डी0ए0एम0 आदि के साथ बैठक करके जिला संयुक्त चिकित्सालय में प्रथम सन्दर्भन इकाई को क्रियाशील कराये जाने की रूप रेखा तैयार की गयी एवं उसे तत्काल प्रभाव से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया। जिला संयुक्त चिकित्सालय में कार्यरत डा0 रिचा पटेल को ई–मॉक प्रशिक्षण प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया तथा उनके नाम को महानिदेशक परिवार कल्याण को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया गया। – भौगोलिक स्थिति को देखते हुए चरणवार चोपन, घोरावल तत्तपश्चात् म्योरपुर की प्रथम सन्दर्भन इकाई को क्रियाशील करना उचित प्रतित होता है। अनपरा में कार्यरत डा0 टीटू कश्यप को ई–मॉक प्रशिक्षण हेतु चिन्हित किया गया, तथा उनके नाम को प्रशिक्षण हेतु महानिदेशक परिवार कल्याण को प्रेषित कर दिया गया है। चोपन में जिला अधिकारी कार्य स्तर से ब्लड यूनिट की स्थापना यदि करा दी जाये तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्तर से निश्चेतक की चोपन में पोस्टिंग करते हुए डा0 टीटू कश्यप के प्रशिक्षण के उपरान्त चोपन की प्रथम सन्दर्भन इकाई को प्राथमिकता के आधार पर क्रियाशील किया जा सकता है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मुख्य चिकित्सा अधिकारी
मॉडूलर ओ0टी0	जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्थापित मॉडूलर ओ0टी0 अक्रियाशील	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधीकारी, डी0पी0एम0 डी0ए0एम0 एवं शल्य चिकित्सक के साथ बैठक कर मॉडूलर ओ0टी0 को तत्काल क्रियाशील किये जाने का निर्णय लिया गया तथा भूतल पर	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक

Dr. Anil Kumar Mishra
G.M. Training

		स्थिति ओ0टी0 को सिजेरियन सेक्शन एवं परिवार नियोजन शल्य कार्य के लिए तत्काल प्रभाव से आवंटित कर लेबर रूम आदि अन्य कमरों के साथ एम0सी0एच0 काम्पलेक्स के रूप में प्रयोग किये जाने का निर्णय लिया गया।	
एप0सी0डी0 क्लीनिक एवं कार्यकलाप	अस्थापित एवं अक्रियाशील	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डी0पी0एम0 डी0ए0एम0 एवं डा0 गणेश प्रसाद के साथ बैठक कर चिकित्सालय के प्रथम तल पर 3 कमरों को चिन्हित कर एन0सी0डी0 क्लीनिक को क्रियाशील कराये जाने का निर्णय लिया गया। तत्क्रम में डा0 गणेश प्रसाद को एन0सी0डी0 नोडल अधिकारी बनाये जाने का निर्णय लेते हुए डा0 गणेश प्रसाद डी0पी0एम0 एवं डी0ए0एम0 के सहयोग से आवश्यक उपकरण आदि का क्रय कर मार्च 2019 तक एन0सी0डी0 क्लीनिक को क्रियाशील कराये जाने का निर्णय लिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डी0पी0एम0 डी0ए0एम0 एवं डा0 गणेश प्रसाद
औषधि अनउपलब्धता / कमी	औषधि भण्डार प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में चिकित्सालय में 29 औषधियों की कमी है। और उसकी सूची भी उपलब्ध करायी गयी।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डी0पी0एम0 एवं औषधि भण्डार प्रभारी से बैठक करके राज्य स्तर से प्राप्त करने के लिए पुनः मांग पत्र प्रेषित कर व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर औषधि अविलम्ब प्राप्त करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, एवं औषधि भण्डार प्रभारी।
अस्थायी वार्ड	जिला संयुक्त चिकित्सालय में पिछले दरवाजे के साथ वरामदा में अस्थायी रूप से स्थापना की गयी है, जिसमें से होकर ओ0पी0डी0 के मरीजो का आना–जाना लगा रहता है। और वार्ड में भर्ती मरीजो को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं डी0पी0एम0 के साथ बैठक कर यह निर्णय लिया गया कि ओ0पी0डी0 के लिए जिला संयुक्त चिकित्साल के सामने के गेट का प्रयोग किया जाये, तथा यदि इस अस्थायी वार्ड को चिकित्सालय में अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाना संभव नहीं हो तो इसे स्थायी वार्ड के रूप में विकसित कर दिया जाये।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सको की उपलब्धता	जनसामान्य की शिकायत थी कि ओ0पी0डी0 में चिकित्सक पूरे समय तक नही बैठते इससे मरीजों को परेशानी होती है।	शिकायत का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को ओ0पी0डी0 में पूरे समय चिकित्सको की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने का सुझाव दिया गया ।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक
मोतियाबिन्द ऑपरेशन	मोतियाबिन्द ऑपरेशन लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 30 प्रतिशत जो काफी कम है तथा मिर्जापुर मण्डल में न्यूनतम है।	मोतियाबिन्द ऑपरेशन लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराये जाये, इसका सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ अधीक्षक

Dr. Anil Kumar Mishra
G.M. Training

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–दुद्धी			
सामान्य स्वाच्छता	अति खराब	मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं चिकित्सा अधीक्षक दुद्धी के साथ बैठक कर अस्पताल की सफाई व्यवस्था	चिकित्सा अधीक्षक, दुद्धी
औषधि	डा0 विजय कुमार द्वारा भर्ती मरीजो को बाहर से दवा खरीदने को पर्ची लिखकर दवा खरीदवाई जा रही है।	यह संज्ञान में आया कि जिला अधिकारी द्वारा भी दुद्धी सी0एच0सी0 के निरीक्षण के दौरान डा0 विजय कुमार द्वारा बाहर दवा लिखने की शिकायत प्राप्त हुई थी और उस पर कार्यवाही हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया गया था, परन्तु डॉ0 विजय कुमार के किया कलाप में कोई परिवर्तन नहीं आया अतः मुख्य चिकित्सा अधिकारी को डा0 विजय कुमार के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुए उन्हे सी0एच0सी0 दुद्धी से हटाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
प्रसव इकाई	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अनुरूप प्रसव इकाई क्रियाशील नहीं पायी गयी।	चूंकि यहां पर जिला अधिकारी निधि से ब्लड सेन्टर की स्थापना की गयी है, अतः इस चिकित्सालय में प्रसव इकाई को समुचित रूप से क्रियाशील कराये जाने के लिए डा0 चिराग या डा0 टीटू कश्यप जो क्रमशः पी0पी0सी0 और अनपरा में कार्यरत है। उनमें से किसी को सामुदायिक स्वास्थ्य दुद्धी मे जनहित में पोस्ट करने का निर्देश दिया गया।	
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– विन्डमगंज एवं सलैयाडीह और पोहली			
प्रा0 स्वा0 के0 की सामान्य सफाई व्यवस्था	प्रा0 स्वा0 के0 की सफाई व्यवस्था एवं बागवानी की व्यवस्था अत्यन्त अच्छी पायी गयी। चिकित्सालय में दो तरह की बाउन्ड्री क्षति ग्रस्त है जिसके कारण अस्पताल में बाहरी अतिक्रमण की आशंका बनी रहती है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सुझाव दिया गया कि चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मियों को प्रोत्साहन प्रमाण पत्र देते हुए अन्य चिकित्सालय के प्रभारियों को उस चिकित्सालय का भ्रमण करा कर सफाई एवं बागवानी की व्यवस्था सहभागिता के आधार पर कराये जाने हेतु प्रोत्साहित करें तथा जिला स्वास्थ्य समिति में प्रस्ताव प्रस्तुत कर जिला चिकित्सालय की क्षतिग्रस्त बाउन्ड्री के निर्माण की कार्यवाही करायें।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
वी0एच0एन0डी0 सेशन	उपकेन्द्र सलैयाडीह एवं पोहली का अवलोकन किया गया। संबंधित ए0ण्न0ण्म0, आंगनवाड़ी वर्कर एवं आशा केन्द्र पर उपस्थिति थी। ड्यू लिस्ट बनी हुयी थी तथा ड्यू लिस्ट के अनुसार	मुख्य चिकित्सा अधिकारी के संज्ञान में लाये जाने पर उनके द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मुख्यालय पर दोनों उपलब्ध है। चिकित्सा अधीक्षक दुद्धी को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा तत्काल उनकी आपूर्ति प्राप्त कर उन्हें अपने उपकेन्द्रों पर वितरित करने	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक दुद्धी

Dr. Anil Kumar Mishra
G.M. Training

	टीकारण एवं अन्य कार्य किया जा रहा था। संबंधित ए0एन0एम0 एवं आंगनवाड़ी वर्कर को विषय से संबधित समुचित जानकारी पायी गयी। दोनों केन्द्रों के ए0एन0एम0 द्वारा विटामिन के एवं जंक टेबलेट तथा एम0सी0एच0 कार्ड की अनउपलब्धता बतायी गयी।	का निर्देश दिया गया।	

(डा0 अनिल कुमार मिश्रा)
महाप्रबन्धक / मण्डलीय नोडल अधिकारी
मिर्जापुर मण्डल